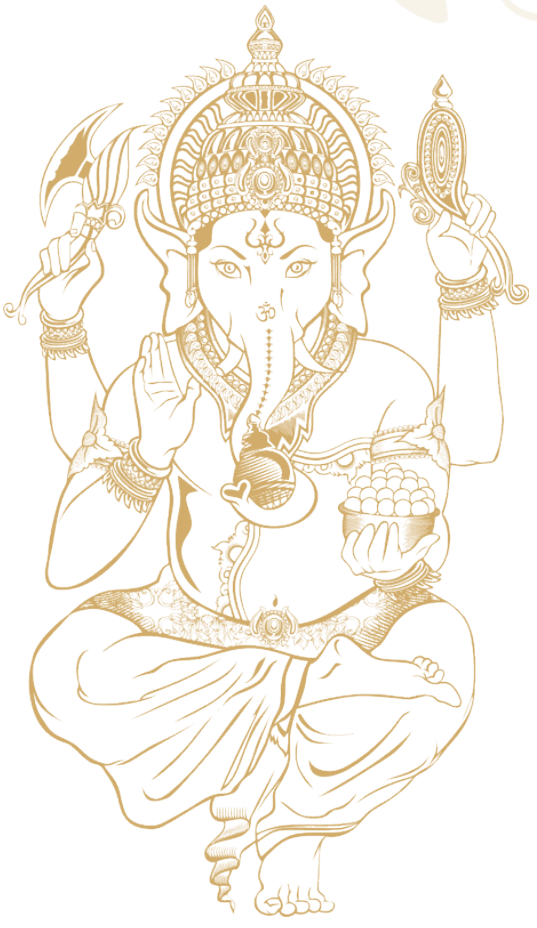

Yazan Siddhi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121214804

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
21/12/1995	जन्म तिथि	19/11/1998
गुरुवार	दिन	गुरुवार
घंटे 22:24:00	जन्म समय	23:35:00 घंटे
घटी 37:48:13	जन्म समय(घटी)	41:44:22 घटी
India	देश	India
Patiala	स्थान	Karnal
30:19:00 उत्तर	अक्षांश	29:41:00 उत्तर
76:24:00 पूर्व	रेखांश	76:59:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:24:24	स्थानिक संस्कार	-00:22:04 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:16:42	सूर्योदय	06:49:44
17:27:51	सूर्यास्त	17:25:00
23:48:10	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:18

विंशोत्तरी बुध 0वर्ष 1मा 15दि	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी शनि 10वर्ष 0मा 28दि
सूर्य	09:58:34	सिंह	लग्न	कर्क	28:45:53	केतु
06/02/2023	05:32:40	धनु	सूर्य	वृश्चि	03:21:49	18/12/2025
05/02/2029	29:54:01	वृश्चि	चंद्र	वृश्चि	09:35:41	17/12/2032
सूर्य 26/05/2023	22:22:10	धनु	मंगल	कन्या	01:49:05	केतु 16/05/2026
चन्द्र 25/11/2023	21:00:21	धनु	बुध	वृश्चि	23:29:27	शुक्र 16/07/2027
मंगल 01/04/2024	03:19:54	धनु	गुरु	कुंभ	24:23:22	सूर्य 21/11/2027
राहु 23/02/2025	06:07:16	मक	शुक्र	वृश्चि	08:30:53	चन्द्र 21/06/2028
गुरु 13/12/2025	24:58:42	कुंभ	शनि व	मेष	04:18:30	मंगल 17/11/2028
शनि 25/11/2026	00:28:48	तुला व	राहु व	सिंह	02:50:21	राहु 05/12/2029
बुध 01/10/2027	00:28:48	मेष व	केतु व	कुंभ	02:50:21	गुरु 11/11/2030
केतु 06/02/2028	04:58:59	मक	हर्ष	मक	15:24:03	शनि 21/12/2031
शुक्र 05/02/2029	00:30:15	मक	नेप	मक	05:58:10	बुध 17/12/2032
	07:47:20	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	13:40:04	

लग्न-चलित

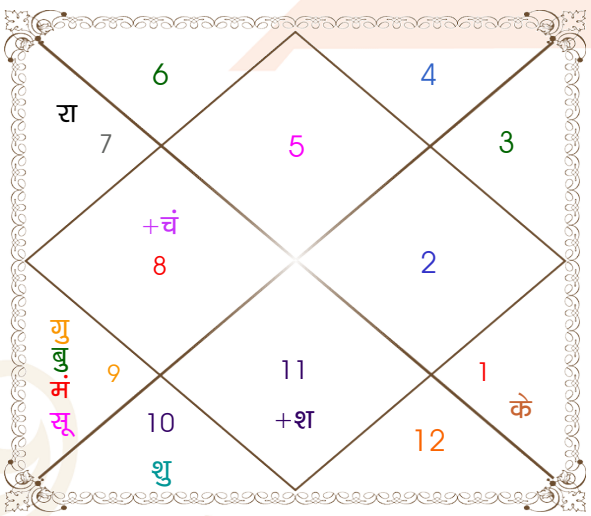

लग्न-चलित

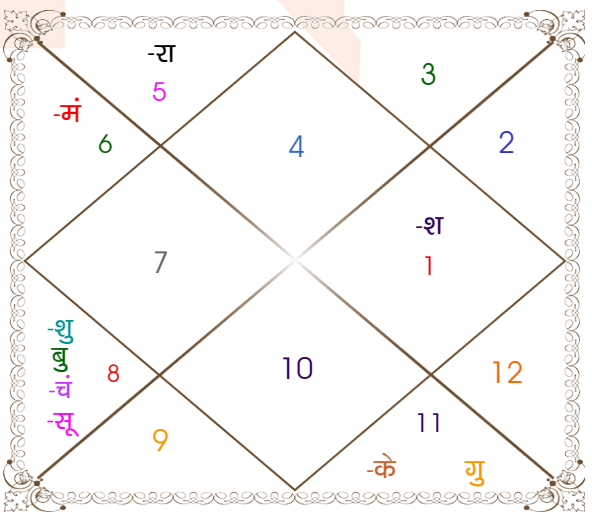

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	कीटक	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मृग	मृग	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	वृश्चिक	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	31.00		

Yazan का वर्ग मृग है तथा Siddhi का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Yazan और Siddhi का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Yazan मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

Siddhi मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

Yazan तथा Siddhi में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।